तमिलनाडु में फिल्म स्टार्स के राजनेता बनने का दौर खत्म हुआ

इस कड़ी के आखिरी स्टार विजयकांत का गुरुवार को निधन हो गया। एम.जी. रामचंद्रन को अपना आदर्श मानने वाले विजयकांत ने फिल्मों में उन्हीं के जैसे किरदार निभाए आर उन्हीं की तर्ज पर वे राजनीति में आए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। फिल्म स्टार से राजनेता बने कैप्टन विजयकांत का चेन्नई में गुरुवार को निधन होने के साथ ही फिल्म स्टार्स के राजनीति में बड़ा नाम कमाने की संभावनाएं लगता है अब खत्म हो गई हैं। यहां तक कि तमिलनाडु और पड़ोसी आंध्र प्रदेश में भी, जहां फिल्मों का क्रेज़ है, में भी यही स्थिति है।

फिल्मों के सुपर स्टार्स के लिए राजनीति में नाम कमाना पहले की तुलना में अब कठिन है। यहां तक विजयकांत को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित एम.जी. रामचन्द्रन की तर्ज पर स्वयं के व्यक्तिगत, सामाजिक और फिल्मी जीवन को ढाला। उन्होंने रामचन्द्रन जैसी भूमिकाओं वाली फिल्में एक्टिंग के लिए चुनीं।

जयललिता और करुणानिधि जैसे नामी-गिरामी नेताओं से मुकाबला करने का श्रेय विजयकांत को ही जाता है, जो "करुप्पु एम.जी.आर." (काले एम.जी.आर.) के नाम से विख्यात थे। एम.जी.आर. का अनुसरण करके ही वह ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्नाद्रमुक) और डी.एम.के. (द्रमुक) के वर्चस्व वाली द्रविड़ राजनीति में अपनी जगह बना सके।

विजयकांत का जन्म 25 अगस्त 1952 को मदुरै में हुआ था। उन्होंने गुरुवार को चेन्नई के एक अस्पताल में

- विजयकांत ने राजनीति में अपना मुकाम बनाया, वोट बैंक भी खड़ा किया, पर, वे एम.जी.आर. व जयललिता जैसी सफलता प्राप्त नहीं कर सके।
- विजयकांत के अलावा रजनीकांत व कमल हासन ने भी राजनीति में आने की कोशिश की थी, पर, रजनीकांत तो खुद पीछे हट गए और कमल हासन को सफलता नहीं मिली।
- तमिलनाडु की राजनीति लम्बे समय तक दो घोड़ों, "द्रमुक व अन्नाद्रमुक" की रेस बनी रही, अब यहां भाजपा भी उभर रही है, जिससे दोनों द्रविड़ दलों में हताशा सी दिखने लगी है।

अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे एक राजनीतिक विरासत एवं वोट बैंक छोड़ गए हैं, किन्तु प्रश्न यह है कि इसे भुनाएगा कौन? क्या उनकी पत्नी प्रेमलता जिन्होंने पिछले पखवाड़े ही पार्टी की कमान अपने हाथ में ली थी या दो प्रमुख द्रविड़ पार्टियों में से कोई एक।

निमोनिया से हुई उनकी ने शायद सिल्वर स्कीन का वह अंतिम नायक भी राजनीति से चला गया जिसने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा नाम कमाया क्योंकि रजनीकांत व उनके समकालीन कमल हासन जैसे दिग्गज अभिनेता इस मामले में उनकी बराबरी नहीं कर सके, हालांकि उन्होंने राजनीति में अपना पैर जमाने के प्रयास किए थे।

यह सत्य है कि एक फिल्म में कैप्टन विजयकांत का रोल करने के बाद मशहूर हुए विजयकांत ने राजनीति में अपना करियर बनाने को लेकर कड़ी मेहनत की। इसके लिए उन्होंने फिल्मों का चयन भी सोच समझकर किया। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एक्टिंग, समाज सेवा एवं मानवतावादी कार्य किए। उन्होंने दस वर्ष या उससे अधिक मेहनत की और फिर देसिया मुर्पोकू द्रविड़ कषगम (डी.एम.डी.के.) नामक पार्टी का गठन कर चुनावी राजनीति में उतरे। उनकी पार्टी ने वर्ष 2006 के विधानसभा चुनाव में 5 प्रतिशत वोट प्राप्त कर कुछ सीटें जीतीं। लेकिन डी.एम.डी.के. का भविष्य जयललिता की अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करने के बाद ही संवरा। विजयकांत की पार्टी उसके बाद विधानसभा की 43 सीटें जीतकर दिग्गज द्रमुक को तीसरे स्थान पर धकेल कर विपक्ष की स्वीकृत नेता बन गई।

लेकिन, इसके कुछ समय बाद ही जयललिता ने डी.एम.एम.के. के साथ गठबंधन समाप्त कर दिया, जिससे इस पार्टी के पांव उखड़ने शुरु हो गए। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में डी.एम.डी.के. की शर्मनाक पराजय हुई। उसने 60 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा किन्तु वह एक भी सीट नहीं जीत पायी।

रजनीकांत वर्ष 2021 में चुनावी राजनीति में उतरे पर पूर्व ही अंतिम क्षणों में पीछे हट गए। कमल हासन का विधानसभा की एक भी सीट ना जीत पाना यह साबित करता है कि वो दिन अब लद चुके हैं जब फिल्मी हस्तियां सुस्थापित पेशेवर राजनेताओं से आगे निकल जाती थीं।

कैप्टन विजयकांत को इस बात का श्रेय जाता है कि अपने धैर्य और संकल्प से तमिलनाडु की राजनीति में वे एक पहचान बन गए थे और जिन्होंने ऐसे समय में कठिन परिश्रम किया जब तमिलनाडु की राजनीति को दोनों प्रमुख द्रविड पार्टियों ने दो घोड़ों की रेस बना दिया था। द्रविड़ पार्टियां ही प्रमुख हुआ करती थी। यह परम्परा हालांकि आज भी है, लेकिन आज इन दोनों द्रविड पार्टियों को यहां उभरती भाजपा से चुनौती मिल रही है, किन्तु फिर भी भाजपा को यहां एक लम्बा रास्ता तय करना है क्योंकि उसकी पहचान एक हिंदी भाषी पार्टी के रूप में है। यद्यपि, तमिलनाडु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के प्रयासों से यहां जनता पार्टी के प्रति आकर्षित हो रही है। इससे सत्तारूढ़ द्रमुक काफी हताश है।

लेकिन, लोकसभा चुनावों से पूर्व यह देखना शेष है कि कौनसी राजनीतिक पार्टी कैप्टन विजयकांत की पार्टी के वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित कर पाती है या क्या एक पखवाड़े पूर्व ही पार्टी की कमान संभालने वाली उनकी पत्नी प्रेमलता उनके वोट बैंक को थामे रखकर उनकी विरासत को आगे बढ़ा पाएंगी।

कैप्टन विजयकांत ने स्वयं को पिछड़ों के नेता के रूप में स्थापित किया था तथा गरीबी उन्मूलन व किसानों के संरक्षण के प्रति उनका दृढ़ विश्वास था। वह वर्ष 2011 में सदन में विपक्ष के नेता बने और पूरे पांच वर्ष तक इस पद पर रहे।

अपने आरम्भिक राजनीतिक वादों को पूरा करने में कैप्टन विजयकांत की विफलता, वर्तमान के ऐसे फिल्म स्टार्स की विचार प्रक्रिया पर प्रकट रूप से प्रभाव डाल सकती है जो राजनीति में कूदने के इरादे पाले हुए हैं।

इस संदर्भ में, सुपर स्टार विजय का नाम आगे आ रहा है। उनके असंख्य समर्थक एवं फैन्स उन्हें प्रेम से थालापति (सेना प्रमुख) कहते हैं। उनके राजनीति में आने की अटकलें हैं और बताया जाता है कि उनका लक्ष्य वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव होंगे।

अबकी बार 400 पार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस स्थापना के 138 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नागपुर में आयोजित एक समारोह में पार्टी का ध्वज फहराया।

उन्होंने देश के अनेक भागों से विशाल रैली में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, "आज इस महारैली में कांग्रेस नेताों द्वारा "हैं तैयार हम" का संकल्प लेने के साथ ही कांग्रेस पार्टी के शानदार इतिहास एक नया अध्याय जुड़ गया है।

- कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस पर नागपुर में हुए समारोह में राहुल गांधी ने 400 सीटें जीतने का नारा दिया

खड़गे ने कहा: "कांग्रेस की विचारधारा को देश के हर व्यक्ति तक लेकर जाएंगे व समृद्ध और खुशहाल भारत के लक्ष्य को हांसिल करेंगे।"

इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने "अब की बार, 400 पार" लिखी तख्ती को प्रदर्शित किया। संदेश दिया कि आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी 400 से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करेगी।

पार्टी के नेतागण 138 वें स्थापना दिवस के मौके पर 138 रुपये व इसकी दस गुना, 100 गुना या 1000 गुना तक राशि पार्टी फंड के लिए दे रहे थे।

भारत सरकार ने पाकिस्तान से आतंकी हाफ़िज़ सईद को मांगा

हाफ़िज़ सईद लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख और मुम्बई में 20/11 का मास्टर माइंड है

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। लश्कर-ए- तैयबा का सरगना और मुंबई में 26/11 हमले के मास्टरमाइंड आंतकी हाफ़िज़ सईद को भारत लाने के लिए भारत सरकार ने पाकिस्तान की सरकार के सामने आधिकारिक मांग रखी है। भारत सरकार ने प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रकिया पूरी करने की बात कही है।

सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान सरकार को औपचारिक अनुरोध भेज दिया है। हाफ़िज़ सईद को 2008 में मुंबई हमले, 2019 में पुलवामा हमले समेत कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का दोषी पाया गया है। वैश्विक स्तर पर भी हाफ़िज़ सईद आतंकवादी घोषित किया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र ने भी हाफिज सईद को आतंकवादियों की सूची में डाल दिया है। फिलहाल वह पाकिस्तान की जेल में सज़ा काट रहा है। पिछले साल पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने हाफिज सईद को दो टैरर फायनैन्सिंग केसों में 32 साल की सजा सुनाई थी। इससे

- भारत सरकार ने हाफ़िज़ सईद के प्रत्यार्पण के लिए कानूनी प्रक्रिया पूरी करने की बात कही है।
- भारत के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी हाफ़िज़ सईद को अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कर दिया है। फिलहाल वह पाक जेल में है।

पहले पांच अलग-अलग मामलों में हाफिज को 36 साल की अलग सजा सुनाई गई थी।

हालांकि दोनों सजाएं एक साथ चल रही हैं, लेकिन हाफिज पाकिस्तानी जेल में सजा काट रहा है या नहीं, इसपर भी सवाल उठते रहे हैं।

फिर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले 2021 में सामने आया था, जब केन्द्र सरकार पर, पत्रकारों, विपक्षी राजनेताओं और एक्टिविस्टों पर निगरानी रखने के लिए पैगसस के उपयोग का आरोप लगाया गया था। उस समय सरकार ने "गैरकानूनी निगरानी" करने की बात से इन्कार किया था, लेकिन, आरोपों की सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जा रही जांच में सहयोग करने से इन्कार कर दिया था। उक्त जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। एक्टिविस्टों ने आरोप लगाया है कि, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आई है और वर्ल्ड प्रैस फ्रीडम इन्डैक्स में भारत 21 कदम नीचे आया है। "रिपोटर्स विदाउट फ्रीडम" द्वारा उक्त इन्डैक्स तैयार किया गया है।

बिहार में 6 लेन वाले रोड ब्रिज को मंजूरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में इस सप्ताह के आरंभ में सम्पन्न हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गंगा नदी के आरपार 6 लेन हाई-लेवल/एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टेयड ब्रिज (पुल) के निर्माण कार्य के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई (जो वर्तमान दीघा-सोनेपुर रेल-कम रोड ब्रिज के पश्चिमी किनारे के समानान्तर) होगा एवं यह पुल बिहार प्रदेश में पटना जिला व सारन (एन.एच.-139 डब्ल्यु.) के दोनों तरफ पहुँचेगा। यह परियोजना 4556 मीटर्स तक फैली हुई है तथा इस परियोजना का खर्च 3064.45 करोड़ रूपए आयेगा।

- यह ब्रिज गंगा नदी पर बनेगा ओर 4556 मीटर लम्बे इस ब्रिज पर 3064.45 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

एक्स पोस्ट एक रिपोर्ट में, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने कहा कि इस परियोजना से पटना सीधे तौर पर गोल्डन चतुर्भुज गलियारे से जुड़ जाएगा। यह पुल औरंगाबाद के एन.एच. 139 और सोनेपुर (एन.एच. 31) छपरा, मोतीहारी (पूरब-पश्चिम कोरिडोर एन.एच. 27) से जाकर जुड़ेगा तथा उत्तरी बिहार में बेत्तीयाह (एन.एच. 727) से जाकर सीधा जुड़ेगा। यह बुद्ध सर्किट का अभिन्न अंग है। इसका विस्तार वैशाली के बौद्ध स्तूप व केशरिया तक है। एन.एच. 139 वेस्ट अरेराज सोमेश्वर नाथ मंदिर और इसके साथ ही यह पूर्वी चंपारन के प्रस्तावित विराट रामायण मंदिर को भी जोड़ता है, जो विश्व का सबसे विशाल धार्मिक स्मारक होगा।

इस परियोजना का उद्देश्य यात्रा में लगने वाला समय कम करना और उत्तरी एवं दक्षिण बिहार के बीच सम्पर्क सुगम बनाना तथा इस परियोजना का उद्देश्य इस क्षेत्र में सामाजिक -आर्थिक विकास को गति प्रदान करना। गडकरी ने यह भी बताया कि इस पुल परियोजना के निर्माण व रखरखाव से कुशल एवं अकुशल कामगारों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

श्रीनगर का तापमान शून्य से कम 3.3 डिग्री सैल्सियस दर्ज

श्रीनगर, 28 दिसंबर। जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान में शून्य से कम 3.3 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में शून्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आयी, इसके साथ ही घाटी में शीत लहर और तेज हो गयी है।

मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में पुलवामा 6.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा, इसके बाद कोनिबल (शून्य से कम 6.2 डिग्री सेल्सियस), उत्तरी कश्मीर में बांदीपुरा (शून्य से कम 5.9 डिग्री सेल्सियस), शोपियां (शून्य से कम 5.6 डिग्री सेल्सियस) और गांदरबल के मध्य कश्मीर जिले में शून्य से कम 5.5 डिग्री सेल्सियस कम तापमान दर्ज किया गया। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य स्थानों पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड में न्यूनतम तापमान पिछली रात के शून्य से कम 3.2 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले आज शून्य से कम 3.8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया और कोकेरनाग में आज न्यूनतम तापमान शून्य से कम 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

परीक्षा संबंधी गड़बड़ी की सूचना देने के लिए हैल्पलाइन नम्बर 9530428258 जारी

पेपर लीक व नकल रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, मुख्यमंत्री भजनलाल ने

जयपुर, 28 दिसंबर (का.सं.)। राज्य सरकार आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं और सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपरलीक रोकने और नकल माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए सख्त कदम उठाने जा रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शर्मा ने कहा कि, आने वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपरलीक व नकल जैसी गडबड़ियों को रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। इसके लिए परीक्षा से पूर्व मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक स्तर से जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से सीधा संवाद कर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जिलों को परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी हेतु गठित उड़नदस्तों के लिए पर्याप्त अधिकारी एवं पुलिस बल

- मुख्यमंत्री कार्यालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय किया गया कि, मुख्य सचिव एवं डी.जी.पी. स्तर के अधिकारी भर्ती परीक्षा की मॉनिटरिंग करेंगे।
- पेपर लीक और नकल के अब तक के सभी केसों में शीघ्र ट्रायल होंगे ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द सज़ा मिले।

उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि, जिन परीक्षा केन्द्रों एवं कोचिंग संस्थानों के बारे में विभिन्न स्रोतों से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है, उन पर विशेष निगरानी रखी जाए। ऐसे परीक्षा केन्द्रों व कोचिंग संस्थानों की संदिग्धता पाए जाने पर कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाए।

शर्मा ने कहा कि, पूर्व में जिन अपराधियों का चालान किया गया है, उन अपराधियों का केस का ऑफिसर स्कीम एवं विशेष लोक अभियोजक के माध्यम से शीघ्र ट्रायल करवाया जाएगा तथा उन्हें अधिकतम दण्ड दिलवाने के प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि, ऐसी गड़बड़ी करने वाले व्यक्तियों का पता लगाने के लिए पुख्ता सूचना तंत्र विकसित किया जाए। आमजन द्वारा इस संबंध में एसआईटी द्वारा जारी हेल्पलाइन नम्बर 9530428258 पर सूचना दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि, बेरोजगार और मेहनती युवाओं को न्याय दिलाना और परीक्षाओं में गोपनीयता बनाए रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इन निर्णयों से नकल संबंधी प्रकरणों में प्रभावी जांच कर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि, एसओजी ने हाल ही में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022, के विज्ञान तथा सामान्य ज्ञान व शैक्षिणक मनोविज्ञान विषय की लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थियों के रूप में बैठने वाले पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है।

बैठक में पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव, गृह, आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक, हेमंत गेरा, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन तथा एडीजी तकनीकी वीके सिंह उपस्थित रहे।

'जरूरी हो तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सड़क पर सामने अतिअल्प दृश्यता के कारण अधिकतम 12 वाहन एक दूसरे से टकरा गए। पुलिस सूचनानुसार वाहन भिड़ंत की ये दुर्घटना जेवर पुलिस थाने के अधीन दयानातपुर गांव के पास की है जो गौतम बुद्ध नगर की सीमा में आता है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि एक गाड़ी के चालक ने अचानक ब्रैक लगा दिया जिसकी वजह से उस वाहन के पीछे चल रही गाड़ियां एक के बाद एक टकराती गईं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) ने बुधवार को दिल्ली वालों से अनुरोध किया था कि जब तक मौसम खराब चल रहा है अनावश्यक बाहर नहीं निकले और उत्तर पश्चिम व उससे जुड़े मध्य भारत के इलाके में खराब से भी बहुत खराब घने कोहरा होने के कारण बचाव के लिए मुंह पर मॉस्क पहनें। आई.जी. आई. एयरपोर्ट दिल्ली में दृश्यता 125 एम दर्ज की गई जबकि सफदरजंग में 50 मीटर मापी गई। आज सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सीयस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1 डिग्री ऊपर है जबकि हवा गुणवत्ता सूंचकांक 383 थी, जबकि ऊपरी भाग "बहुत ही खराब" श्रेणी का था।

नीतीश की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय भाषा है। तथापि, कुछ ने ऐसा महसूस किया कि ममता द्वारा खड़गे का नाम आगे बढ़ाने के कारण उनका गुस्सा फूटा था।

नीतीश के इण्डिया गठबंधन से नाता तोड़ने की सूरत में तृणमूल वैकल्पिक रणनीति पर काम कर रही है। नीतीश के बाहर जाने की स्थिति में उसका उद्देश्य ममता बनर्जी को एक बार फिर से प्रमुख भूमिका में लाना है।

लेकिन, ममता बनर्जी में वे भाषायी योग्यताएं नहीं हैं जो किसी राष्ट्रीय भूमिका के लिए चाहिए होती हैं। वह हिंदी में ढंग से नहीं बोल पाती और भारतीय सर्वजन भाषा अंग्रेजी का भी उन्हें अल्प ज्ञान है।

वास्तव में, विपक्ष के प्रधानमंत्री के रुप में खड़गे का नाम लेने का उद्देश्य भी यही था। ममता बनर्जी को किसी काम में बाधा डालने या अपने एजेण्डे को आगे बढ़ाने के कुटिल तरीकों के लिए ही ज्यादा जाना जाता है। वह इस सिद्धांत का अनुसरण करती हैं कि किसी योजना के क्रियान्वयन से पूर्व ही उसका खुलासा करने से उसकी विफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

आरंभ में, बनर्जी स्वयं को प्रधानमंत्री पद के लिए विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार प्रोजैक्ट करने पर काम कर रही थीं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद पिछले कुछ वर्षों से इस कार्ययोजना पर काम करती रही हैं।

वह इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपनी पार्टी की बंगाल से बाहर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अपनी ऊर्जा व्यय करती रही हैं।

वह इस असंभव लक्ष्य को किसी भी तरीके से प्राप्त करने के लिए बेताब थी और इसके लिए उन्होंने भारी धनराशि व्यय की।

उदाहरण के तौर पर त्रिपुरा विधानसभा के चुनावों से पूर्व उन्होंने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भारी संख्या में चुनाव प्रचार के लिए वहां भेजा।

इन लोगों को वहां की मंहगी से मंहगी होटलों में ठहराया गया था। तृणमूल समर्थकों ने जनता का ध्यान आकर्षित करने के हर पैतरें अपनाए। तथापि, अन्त में उन्हें बिना कोई खाता खोले वहां से लौटना पड़ा। तृणमूल का एक ही प्रत्याशी जीत सका, किन्तु वह भी तुरंत प्रभाव से पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गया था।

गोवा व अन्यंत्र भी तृणमूल की यही कहानी रही है। किसी एक अन्य राज्य में जीत दर्ज करने की बात तो छोड़िए, ममता बनर्जी को अच्छी तरह से पता है कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किए जाने की उनकी कोई संभावना नहीं है। चूंकि अब उनकी संभावनाओं पर विराम लग चुका है, इसलिए वह अब दूसरों के रास्ते में रोड़ा अटकाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस ने फंड जुटाने के लिए कुर्सियों पर लगाए क्यूआर कोड

नयी दिल्ली/नागपुर, 28 दिसम्बर। कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 138 साल पूरा होने पर लोगों से "देश के लिए दान" देने का अभियान शुरु किया है और इस मौके पर नागपुर में आयोजित रैली में हर कुर्सी के पीछे बार कोड का स्टिकर लगाया है, ताकि कार्यकर्ता आसानी से दान दे सकें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले ही "देश के लिए दान दें" अभियान की शुरुआत कर चुके हैं, जिसके तहत दानदाताओं से पार्टी के लिए 138 रुपए, 1380 रुपए, 13800 रुपए और इसी तरह के अंकों में इससे अधिक राशि दान देने की मांग की गई है।

- कांग्रेस ने अपने 138वें स्थापना दिवस पर "देश के लिए दान" मुहिम शुरु की है।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर नागपुर में हो रही रैली में लगी कुर्सियों पर क्यूआर कोड लगाए गये हैं ताकि कार्यकर्ताओं को दान देने में आसानी हो। पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा, कांग्रेस के स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित नागपुर रैली में, हर कुर्सी के पीछे एक बार कोड का स्टीकर लगा है। उसको स्कैन कर आप 138, 1380, 13800, 138000 या उससे भी अधिक कांग्रेस को दान स्वरूप दे सकते हैं।पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर भी पोस्ट किया, एक खुशहाल और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए आगे आएं, अपना कर्तव्य निभाएं। हाथ से हाथ जोड़कर कांग्रेस को मजबूत करें। कांग्रेस जितनी सशक्त होगी, आपके अधिकारों की लड़ाई उतनी ही बुलंदी के साथ लड़ेगी। देशहित में अपना योगदान दें। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी कहा,स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी जी ने कांग्रेस की गतिविधियों को संचालित करने के लिए तिलक स्वराज फंड की शुरुआत की थी।

श्रीवास्तव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार को सिफारिश दी गई है। जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कोलीजियम ने तीनों न्यायाधीशों के नाम केंद्र सरकार को भेजते हुए सिफारिश की है कि इन पदों के लिए यह न्यायाधीश उपयुक्त है।

जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव का तबादला 18 अक्टूबर 2021 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राजस्थान हाईकोर्ट में किया गया था। मुख्य न्यायाधीश का पद खाली होने के बाद वे ही एक्टिंग चीफ जस्टिस का काम देख रहे है। वहीं जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अरुण भंसाली को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर 8 जनवरी 2013 को नियुक्त किया गया था। वे दोनों वरिष्ठ न्यायाधीश के तौर पर राजस्थान हाईकोर्ट में कार्यरत हैं।

ई.डी. का निशाना प्रियंका पर...

नयी दिल्ली, 28 दिसम्बर। प्रवर्तन निदेशालय ने पहली बार कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम धन शोधन से संबंधित एक मामले के आरोप पत्र में शामिल किया है, हालांकि, उनका नाम आरोपी के तौर पर नहीं लिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय हरियाणा के फरीदाबाद में एक जमीन की खरीद से संबंधित मामले की जांच कर रहा है। यह मामला एक प्रवासी भारतीय सी सी थम्पी और हथियारों के विक्रेता संजय भंडारी तथा अन्य लोगों से जुड़ा है। इसी मामले के संबंध में दायर किये गये आरोप पत्र में प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम आया है। यह पहला मौका है जब उनका नाम प्रवर्तन निदेशालय के आरोप पत्र में शामिल किया गया है। हालांकि उनका नाम इस आरोप पत्र में आरोपी के तौर पर नहीं लिया गया है।

- पहली बार मनी लॉण्डरिंग के एक केस में ई.डी. ने प्रियंका गांधी का नाम शामिल किया है। हालांकि उनका नाम आरोपी के तौर पर नहीं है।

आरोप पत्र में कहा गया है कि, प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस आरोप पत्र में नामित एच एल पाहवा से 2006 में फरीदाबाद में जमीन खरीदी थी।

कतर की अदालत ने आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की मौत की सजा रोकी

कतर के कोर्ट ने इन पूर्व नौसैनिक अधिकारियों को मौत की सजा को कारावास में बदल दिया है

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। खाड़ी के देश कतर की एक अदालत ने कथित जासूसी के एक मामले में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों की मौत की सजा को कम करके कारावास की सजा में बदल दिया है।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने आज दहरा ग्लोबल मामले में कतर की अपीलीय अदालत के फैसले पर गौर किया है, जिसमें सजा कम कर दी गई है।

इस वर्ष 26 अक्टूबर को कतर की एक प्राथमिक अदालत ने आठ पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मौत की सजा सुनाई थी। प्राथमिक अदालत के फैसले के खिलाफ भारत सरकार द्वारा दायर अपील पर उक्त निर्णय आया है।

- विदेश मंत्रालय ने कहा कि, विस्तृत फैसले की प्रतीक्षा है, उसके बाद ही आगे कार्यवाही होगी।

विदेश मंत्रालय ने कहा, विस्तृत फैसले की प्रतीक्षा है। हम अगले कदम पर निर्णय लेने के लिए कानूनी टीम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के साथ भी संपर्क में हैं। कतर में हमारे राजदूत और अन्य अधिकारी परिवार के सदस्यों के साथ आज अपील अदालत में मौजूद थे। मंत्रालय ने कहा, हम मामले की शुरुआत से ही उनके साथ खड़े हैं और हम सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। हम इस मामले को कतरी अधिकारियों के समक्ष भी उठाना जारी रखेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि इस मामले की कार्यवाही की गोपनीय और संवेदनशील प्रकृति के कारण, इस समय कोई और टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

इज़रायल की ओर से पनडुब्बी कार्यक्रम के बारे में जासूसी करने के आरोप में इन भारतीय नागरिकों को अगस्त 2022 में कतर की खुफिया एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। ये आठ लोग, एक निजी फर्म, अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज़ एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज़ के लिए काम कर रहे थे, जो कतर के सशस्त्र बलों और सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण और संबंधित सेवाएं प्रदान करती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908